भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2577
06 मार्च, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकम्प संभावित क्षेत्र

2577. श्री रवनीत सिंहः
श्री दिलीप घोषः
श्री फिरोज़ वरुण गांधीः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उच्च तीव्रता वाले भूकम्प के प्रभाव को कम करने के लिए पर्याप्त राहत उपाय किए हैं यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने देश के सभी राज्यों में भूकंप संबंधी मापन किया है यदि हां, तो भूकंप क्षेत्र 4 एवं 5 में आने वाले शहरों का राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पश्चिम बंगाल के भूकम्प संभावित क्षेत्र को चिन्हित और उनका मानचित्र बनाया है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) पश्चिम बंगाल के किसी क्षेत्र को भूकम्प संभावित क्षेत्रों में शामिल करने के संभावित कारण क्या हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी हां । राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के पास भारत और इसके आस-पास के क्षेत्र में भूकंप की गतिविधि की निगरानी करने के लिए 115 फील्ड स्टेशनों के एक देश व्यापी भूकंप नेटवर्क है। यह केंद्र भूकंप के आने के बाद 5-10 मिनट के भीतर सभी आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को भूकंप मापदंडों का प्रसार करता है। साथ ही, माइक्रोज़ोनेशन अध्ययन के रूप में एक व्यापक आपदा का अनुमान लगाया गया है और दिल्ली, कोलकाता, सिक्किम, गुवाहाटी, बेंगलुरु, जबलपुर आदि के लिए मानचित्र तैयार किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राज्य सरकार ने मॉक ड्रिल आदि के माध्यम से आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विशिष्ट कार्यक्रम शुरू किए हैं।

(ख) विगत के भूकंपों और मृदा विशेषताओं के आधार पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) भारत के भूकंपीय क्षेत्र का मानचित्र प्रकाशित करता है। इस मानचित्र के अनुसार, देश को चार भूकंपीय क्षेत्रों अर्थात: क्षेत्र II,III,IV और V में वर्गीकृत किया गया है। क्षेत्र V को भूकंप की दृष्टि से सबसे अधिक सक्रिय, जबकि जोन II को कम सक्रिय क्षेत्र माना जाता है। झारखण्ड राज्य क्षेत्र II, III,और IV के अंतर्गत आता है, अधिकांश भूमि क्षेत्रफल क्षेत्र II और III में आता है।

महत्वपूर्ण शहरों, जो उच्च भूकंपीय क्षेत्र IV और V के अंतर्गत आते हैं, उनके राज्यवार/संघ राज्य क्षेत्रवार नामतालिका 1 में दिये गये हैं।

(ग) पश्चिम बंगाल राज्य भारत के भूकंपीय क्षेत्र मानचित्र के क्षेत्र II, III और IV के अंतर्गत आता है, इसका अधिकांश भाग क्षेत्र II और III में आता है।

(घ) क्षेत्रों को विगत के भूकंपों और स्थानीय स्थल क्षेत्र विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

तालिका-I		
नगर	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	क्षेत्र
अल्मोड़ा	उत्तराखंड	IV
अंबाला	हरियाणा	IV
अमृतसर	पंजाब	IV
बहरीच	उत्तर प्रदेश	IV
बरौनी	बिहार	IV
भुज	गुजरात	V
बुलंदशहर	उत्तर प्रदेश	IV
चंडीगढ़	चंडीगढ़	IV
दरभंगा	बिहार	V
दार्जिलिंग	पश्चिम बंगाल	IV
देहरादून	उत्तराखंड	IV
दिल्ली	दिल्ली	IV
गंगटोक	सिक्किम	IV
गुवाहाटी	असम	V
गोरखपुर	उत्तर प्रदेश	IV
इंफाल	मणिपुर	V
जोरहाट	असम	V
कोहिमा	नगालैंड	V
लुधियाना	पंजाब	IV
मंडी	हिमांचल प्रदेश	V
मुंगेर	बिहार	IV
मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश	IV
नैनीताल	उत्तराखंड	IV
पटना	बिहार	IV
पीलीभीत	उत्तर प्रदेश	IV
रुड़की	उत्तराखंड	IV
सादिया	असम	V
शिमला	हिमांचल प्रदेश	IV
श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर	V
तेजपुर	असम	V